



दी नैक्सट पोस्ट

साप्ताहिक

7 जनता दर्शन में सीएम योगी 200 लोगों की सुनी फरियाद 5 महादेव की नगरी में अमेरिका 8 क्या कोहली ने छात्र आंदोलन पर तोड़ी चुप्पी

UPHIN/2023/90814

वर्ष: 04, अंक: 05

पृष्ठ संख्या: 8

मूल्य: 1.00 रु.

सोमवार 27 जुलाई, 2026

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा

युवाओं की भावनाओं का सम्मान, 10 दिन से मन दुखी था, धर्मेन्द्र प्रधान ने चिट्ठी में क्या-क्या लिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। नीट-पेपर लीक को लेकर देश भर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने प्रधानमंत्री मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इसकी जानकारी देते हुए शिक्षा मंत्री ने लिखा कि पिछले 10 दिनों के घटनाक्रम से उनका मन अत्यंत व्यथित और दुखी है। उन्होंने साफ किया कि वह नहीं चाहते कि राष्ट्र विरोधी ताकतें इस स्थिति का फायदा उठाएं या देश के युवाओं का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में उलझे। आइए जानते हैं धर्मेन्द्र प्रधान ने अपनी चिट्ठी में क्या-क्या लिखा?

मेरे युवा साथियों,

मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूँ। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है। मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं,



भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूँ। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को

साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। आदरणीय प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री जी का आभार प्रकट करता हूँ। किंतु 3 मई 2026 को हुई NEET&UG की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद्द किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया। इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह

रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारु रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए

whole of government approach

के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही। साथ ही, छात्रों, अभिभावक और माता-पिता के सहयोग से 21 जून 2026 को यह परीक्षा पूर्ण हुई। पहले ही दिन से, इसपर मैंने जिम्मेदारी ली और इस परिस्थिति से कभी मुंह नहीं मोड़ा। मेरा यह संकल्प था कि हम किसी भी मेधावी छात्र की संभावना परीक्षा माफिया के कारण खराब नहीं होने देंगे, किसी भी छात्र के साथ अन्याय नहीं होने देंगे।

16 जुलाई को घोषित नीट-यूजी के परिणाम संतोषजनक रहे जिसमें गरीब पृष्ठभूमि से आए कई मेधावी छात्रों को भी सफलता मिली। परंतु इस दौरान भी कई छात्रों को गुमराह करने के लिए जिम्मेदार

पदों पर बैठे व्यक्तियों ने बाधा डालने की कोशिश की, जिससे मन अत्यंत व्यथित हुआ।

मैं सदैव हमारे प्रजातंत्र की शक्ति में अटूट विश्वास रखने वाला रहा हूँ तथा युवाओं की आकांक्षाओं, सपनों और अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता आया हूँ। वे केवल भारत का भविष्य ही नहीं हैं, बल्कि एक नए और विकसित भारत के वाहक, निर्माता और भविष्य के शिल्पकार भी हैं। पिछले 10 दिनों का घटनाक्रम देखकर मेरा मन दुःखी है। यह मेरे लिए व्यक्तिगत प्रतिष्ठा का विषय नहीं है।

भारत की युवाशक्ति ही, इस देश की असली ताकत है।

देश की युवाशक्ति को भ्रम के कृचक्र में फंसे नहीं देंगे, यही मेरा संकल्प है।

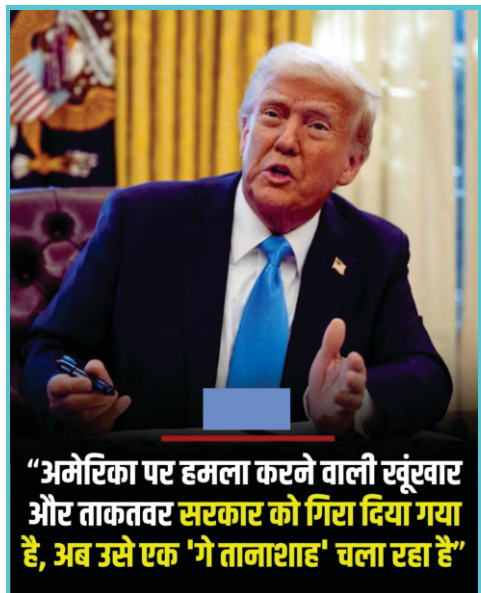
जंतर-मंतर पर और देश में जो स्थिति बनी है, इस स्थिति का राष्ट्र विरोधी ताकतें लाभ ना उठाएं, देश की एकता बनी रहे, भारत के एक भी विद्यार्थी का भविष्य कानूनी पेचीदगियों में ना उलझे,

हमारे बच्चे अपना समय पढ़ाई में लगाएं, करियर बनाने पर फोकस करें, इसी बात पर विचार करते हुए मैंने अपना त्यागपत्र माननीय प्रधानमंत्री जी को भेज दिया है।

मैं आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन, विश्वास और निरंतर सहयोग के लिए हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। साथ ही, मंत्रिपरिषद के अपने सभी सम्मानित सहयोगियों, मंत्रालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उन सभी व्यक्तियों का भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिनके साथ मुझे कार्य करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। राष्ट्रसेवा मेरे जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मैं इसके लिए सदैव समर्पित रहूंगा।

प्रभु श्रीजगन्नाथ जी के आशीर्वाद से मैं भविष्य में भी भारत माता, ओडिशा की जनता तथा देश के युवाओं की आकांक्षाओं की पूर्ति के लिए हर संभव रूप में स्वयं को समर्पित रखूंगा।

आपका,
धर्मेन्द्र प्रधान



“अमेरिका पर हमला करने वाली खूंखार और ताकतवर सरकार को गिरा दिया गया है, अब उसे एक 'गे तानाशाह' चला रहा है”

लापरवाही पर निलंबन-परिजन को सूचना नहीं दी

लावारिस मान दफना दिया शव-दरोगा समेत 3 पुलिसकर्मी निलंबित

गोरखपुर, संवाददाता। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर सीसी टीम प्रभारी उपनिरीक्षक आजम खान, हेड कांस्टेबल जितेंद्र गौतम और हेड कांस्टेबल सुशील राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत विभागीय जांच भी शुरू करा दी गई है। सड़क हादसे में घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुमशुदगी दर्ज होने के बावजूद परिजन को सूचना और उसकी पहचान सुनिश्चित किए बिना शव का लावारिस के रूप में अंतिम संस्कार कराए जाने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर सीसी टीम प्रभारी उपनिरीक्षक आजम खान, हेड कांस्टेबल जितेंद्र गौतम और हेड कांस्टेबल सुशील राय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पूरे प्रकरण की विस्तृत विभागीय जांच भी शुरू करा दी गई है। परिजनों के अनुसार रामनरेश गुप्ता तीन जुलाई को बाइक से घर से निकले थे। देर शाम तक नहीं लौटने पर परिवार ने उनकी तलाश शुरू की और चार जुलाई को शिवनगर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। आरोप है कि उसी दिन करही चौराहे पर रामनरेश सड़क हादसे में घायल हो गए। उन्हें सीएचसी तिलौली भर्ती कराया गया, जहां से जिला अस्पताल भेजा गया।

उत्तर प्रदेश में निवेश मित्र 3.0 लान्च

उद्योग मंजूरी अब रीयल-टाइम डिजिटल मश्वनिटरिंग के साथ

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने उद्योगों की मंजूरी प्रक्रिया को तेज, पारदर्शी और डिजिटल बनाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। अब निवेश प्रस्ताव से उत्पादन शुरू होने तक हर चरण की रीयल-टाइम निगरानी होगी। इससे विभागीय देरी, लंबित आवेदन, अनावश्यक आपत्तियों की पहचान आसान होगी और जवाबदेही के साथ उद्योगों को समय पर मंजूरी मिलेगी। उत्तर प्रदेश सरकार कारोबार सुगमता बढ़ाने के लिए उद्योगों की मंजूरी प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बना रही है। डीरेगुलेशन-2.0 के तहत सिंगल विंडो सिस्टम में प्रस्तावित सुधारों के अंतर्गत निवेश मित्र 3.0 में आवेदन से लेकर उद्योग में व्यावसायिक उत्पादन शुरू होने तक की पूरी प्रक्रिया का रीयल टाइम मॉनिटरिंग तंत्र लागू कर दिया गया है। इसके माध्यम से निवेशकों की फाइल की पूरी यात्रा ऑनलाइन दर्ज होगी, जिससे लंबित मामलों, अनावश्यक आपत्तियों और विभागीय देरी की तत्काल पहचान संभव होगी। डीरेगुलेशन-2.0 के तहत केंद्र सरकार ने राज्यों को सिंगल विंडो सिस्टम में एंड-टू-एंड टर्नअराउंड टाइम (टीएटी) की निगरानी, लंबित आवेदनों का विश्लेषण और अनावश्यक विलंब दूर करने की व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की थी। उत्तर प्रदेश ने इस दिशा में पहल करते हुए निवेश मित्र 3.0 में यह सुविधा शुरू कर दी है। नई व्यवस्था के तहत निवेशक की यात्रा इंटरैक्टिव फाइलिंग यानी निवेश प्रस्ताव दर्ज करने से शुरू होकर व्यावसायिक उत्पादन तक डिजिटल रूप से दर्ज होगी। प्रत्येक विभाग में आवेदन कितने समय तक लंबित रहा, किस स्तर पर आपत्ति लगी, कितनी बार अतिरिक्त जानकारी मांगी गई और स्वीकृति में कहां देरी हुई, इसका पूरा विवरण स्मार्ट डैशबोर्ड पर उपलब्ध रहेगा।

संसद में पेपर लीक पर आएगा बिल

फतेहपुर, संवाददाता। मदारीपुर कला में आयोजित जनसभा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले जो जिला आकांक्षी था, वह अब विकास की राह पर आगे बढ़ चुका है। इस दौरान उन्होंने चेतावनी दी कि नीट परीक्षा जैसी गड़बड़ियों और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले दोषियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी। साथ ही, सपा और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। फतेहपुर जिले में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मदारीपुर कला स्थित मैदान में विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। उन्होंने 2027 विधानसभा चुनाव का राजनीतिक संदेश देते हुए विकास को भाजपा की सबसे बड़ी ताकत बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले फतेहपुर आकांक्षी जिलों में गिना जाता था। रोजगार, स्वास्थ्य और विकास के पैमानों पर जिला पिछड़ा हुआ था, लेकिन पिछले नौ वर्षों में तस्वीर बदली है और अब फतेहपुर आकांक्षी जिला नहीं रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले युवाओं की नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी, जबकि आज पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया से युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए जा रहे हैं।



दिल्ली पुलिस ने जारी किया 20 जुलाई के CJP प्रदर्शन का CCTV वीडियो!



कई चेतावनियों के बावजूद बैरिकेड तोड़ संसद की ओर बढ़े थे प्रदर्शनकारी। पुलिस का दावा, हालात काबू करने के लिए करना पड़ा था लाठीचार्ज।



'चाहे रोके यूनिवर्सिटी या घरवाले, हम नहीं हटने वाले', JNU-DU की अपील के बावजूद जंतर-मंतर पर छात्रों का हुजूम

सम्पादकीय

नीतिगत विफलता हैं पेपरलीक के मामले

पेपरलीक केवल कानून–व्यवस्था नहीं, नीतिगत विफलता का परिणाम। विद्यालयी शिक्षा और प्रवेश परीक्षा के पाठ्यक्रम में तालमेल जरूरी। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना आवश्यक।

भारत में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाएं केवल कानून–व्यवस्था की समस्या नहीं, बल्कि नीतिगत और संरचनात्मक विफलताओं का परिणाम हैं। लाखों छात्रों की आकांक्षाओं को प्रभावित करने वाली इन समस्याओं के समाधान के लिए शिक्षा और परीक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार आवश्यक हैं। भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या उच्च शिक्षा में प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों की आकांक्षाओं का आधार हैं। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, परिवार अपनी बचत को कोचिंग, पुस्तकों और रहने–खाने पर खर्च करता है और पूरा भविष्य एक परीक्षा पर टिका होता है। ऐसे में जब प्रश्नपत्र लीक होने या परीक्षा में अनियमितताओं की खबर सामने आती है तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता कठघरे में खड़ी हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने अनेक बड़े पेपरलीक और परीक्षा विवाद देखे हैं। राजस्थान की रीट, उत्तर प्रदेश की यूपीटेट, विभिन्न राज्यों की पुलिस एवं कर्मचारी चयन आयोगों की भर्ती परीक्षाएं, एसएससी से जुड़े विवाद, यूजीसी–नेट परीक्षा का रद्द होना तथा नीट पेपरलीक जैसी एक के बाद एक घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि समस्या किसी एक राज्य या संस्था तक सीमित नहीं है।

वस्तुतः पेपरलीक की समस्या राजनीतिक से कहीं अधिक नीतिगत और संरचनात्मक विफलता का परिणाम है। इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक नारों में नहीं, बल्कि व्यापक नीतिगत सुधारों में तलाशना होगा। नीट पेपरलीक की घटना केवल परीक्षा संचालन में हुई एक चूक नहीं है। जब तक इसके मूल कारण को नहीं समझा जाएगा, तब तक केवल सख्ती, गिरफ्तारी, प्रशासनिक कार्रवाई या एक मंत्री के इस्तीफे से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे को डाक्टर बनाने के सपने के लिए वर्षों तक लाखों रुपये कोचिंग पर खर्च करता है।

अनेक परिवार अपनी क्षमता से कहीं अधिक आर्थिक बोझ उठाते हैं। जब सफलता की संभावना अत्यंत सीमित हो और प्रतिस्पर्धा अत्यधिक तीव्र हो, तब कुछ लोग गलत रास्तों की ओर भी आकर्षित हो जाते हैं। पेपरलीक और परीक्षा माफिया इसी विकृत व्यवस्था की उपज है। इसलिए इन घटनाओं को केवल कानून–व्यवस्था की समस्या मानना पर्याप्त नहीं होगा। दरअसल यह समस्या उस शिक्षा व्यवस्था का परिणाम भी है, जिसमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा धीरे–धीरे विद्यालयी शिक्षा से अलग एक समानांतर व्यवस्था बन चुकी है। आज देश में सीबीएसई, आइसीएसई और विभिन्न राज्य बोर्डों के लाखों विद्यार्थी बारहवीं कक्षा की पढ़ाई करते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्वरूप और तैयारी की पद्धति इन बोर्डों की नियमित पढ़ाई से काफी अलग हो चुकी है। इसी विसंगति ने देश में कोचिंग उद्योग को असाधारण रूप से विस्तार दिया है। समस्या का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मेडिकल शिक्षा में उपलब्ध सीटों और अभ्यर्थियों की संख्या के बीच लगातार बढ़ती खाई है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट देते हैं, जबकि सरकारी मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या सीमित है। निजी मेडिकल कालेजों में सीटें अपेक्षाकृत अधिक हैं, लेकिन उनकी फीस इतनी अधिक है कि अधिकांश परिवारों के लिए वहां प्रवेश लेना संभव नहीं होता। परिणामस्वरूप कुछ अंकों का अंतर लाखों विद्यार्थियों के पूरे भविष्य का फैसला कर देता है। ऐसी स्थिति में यह स्वाभाविक है कि एक प्रवेश परीक्षा का महत्व असामान्य रूप से बढ़ जाए। जब पूरा भविष्य एक ही परीक्षा पर निर्भर हो और अवसर सीमित हों तो भ्रष्ट तत्वों के लिए भी अवैध कमाई के अवसर पैदा होते हैं। अब समय आ गया है कि मेडिकल प्रवेश व्यवस्था में व्यापक सुधारों पर गंभीरता से विचार किया जाए। जैसे कि विद्यालयी शिक्षा और नीट के पाठ्यक्रम के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित करना होना चाहिए। यदि बारहवीं कक्षा में पढ़ाया जाने वाला विषय ही प्रवेश परीक्षा की वास्तविक तैयारी का आधार बने तो विद्यार्थियों का ध्यान स्वाभाविक रूप से विद्यालय की पढ़ाई पर लौटेगा। इससे डमी स्कूलों की प्रवृत्ति घटेगी, कोचिंग पर अत्यधिक निर्भरता कम होगी और विद्यालयों की शैक्षणिक भूमिका फिर से मजबूत होगी। प्रवेश प्रक्रिया केवल एक दिन की परीक्षा तक सीमित न रहे। विद्यालयी प्रदर्शन, व्यावहारिक कौशल और निरंतर शैक्षणिक उपलब्धियों को भी उचित महत्व देने पर विचार किया जा सकता है। इससे विद्यार्थियों पर एक ही परीक्षा का अत्यधिक मानसिक दबाव कम होगा। केवल मेडिकल कालेजों की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। सरकारी कालेजों में सीटें बढ़ाने, निजी मेडिकल कालेजों की फीस को अधिक पारदर्शी और संतुलित बनाने तथा शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। जब अवसर बढ़ेंगे, तभी असामान्य प्रतिस्पर्धा का दबाव कम होगा। परीक्षा प्रणाली को तकनीकी रूप से अधिक सुरक्षित बनाना होगा। प्रश्नपत्रों का डिजिटल एन्क्रिप्शन, सुरक्षित इलेक्ट्रानिक वितरण, बहु–स्तरीय प्रमाणीकरण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी तथा प्रत्येक स्तर पर स्पष्ट जवाबदेही जैसी व्यवस्थाएं आज पूरी तरह संभव हैं। जिस देश ने आधार, यूपीआइ और विश्वस्तरीय डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना विकसित की है, वह अपनी परीक्षा प्रणाली को भी सुरक्षित और पारदर्शी बना सकता है। जब तक ऐसे अपराधों से जुड़े नेटवर्क पूरी तरह समाप्त नहीं होंगे, तब तक केवल नए नियम कानून बना देने से अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे।

पीएम आवास तक तकरार

पेपरलीक आंदोलन, तकरार और विरोध—प्रदर्शन प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गया। यकीनन यह चौंकाने वाला यथार्थ है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा के साथ ऐसा खिलवाड़ स्वीकार नहीं है। यह दंडनीय अपराध है। राजधानी दिल्ली में आंदोलन के स्थान चिह्नित हैं। पेपरलीक और युवाओं के भविष्य पर कोई तकरार है, तो उसके लिए संसद का मंच है। कमोवेश संसद में विपक्ष हंगामा करने, नारेबाजी, हुल्लड़बाजी से बाज आएगा, तो सदन में इस मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। यह आश्वासन प्रधानमंत्री मोदी तक ने दिया है और एनडीए सांसदों को संबोधित करते हुए भी आश्वस्त किया है कि पेपरलीक के ‘माफिया’ को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार सख्त कार्रवाई कर रही है। आरोपित जेल में भी हैं। संसद सत्र जारी है, लेकिन कार्यवाही बंजर है, क्योंकि विपक्ष को हंगामा करना ही विशेषाधिकार लगता है। बहरहाल संसद के दोनों सदनों में नेता प्रतिपक्ष—राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खडगे—ने स्थापित कानून को तोड़ा है। खडगे का सरकारी आवास 10, राजाजी मार्ग है, जो प्रधानमंत्री आवास से मात्र 300 मीटर की दूरी पर है। 21 जुलाई को खडगे का 84वां जन्मदिन था, लिहाजा नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा के अलावा, कांग्रेस के मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद और अन्य महत्वपूर्ण चेहरे खडगे के आवास पर जुटे थे। संभवतरु वहीं रणनीति तय हुई और कांग्रेसी पैदल चल कर ही प्रधानमंत्री आवास की दहलीज तक पहुंच गए। दलील दी गई कि प्रधानमंत्री संसद में नहीं आ रहे हैं, लिहाजा हम उनसे मिलने आए हैं। यह कुतर्क के अलावा कुछ भी नहीं। यह धरना सुरक्षा–व्यवस्था का घोर उल्लंघन था। चूंकि अधिकतर सांसद थे, लिहाजा वे संसद भवन में ही निश्चित स्थान पर धरना और नारेबाजी कर सकते थे। प्रधानमंत्री आवास की वह दहलीज ‘उच्चतम सुरक्षा’ क्षेत्र है, लिहाजा ‘अति संवेदनशील’ भी है। वहां से प्रधानमंत्री का काफिला ही आ–जा सकता है। वीवीआईपी मेहमान भी उसी रास्ते से प्रधानमंत्री से मुलाकात करने आते हैं। सवाल है कि क्या पुलिस और खुफिया एजेंसियों को इस धरने की भनक तक नहीं लगी? प्रधानमंत्री को पल–पल की खबर दी जाती है, फिर इतनी चूक कैसे हो गई? बहरहाल आजादी के बाद सिर्फ दो बार प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शनबाजी की गई है, लेकिन दोनों बार ‘नेता प्रतिपक्ष’ शामिल नहीं थे। 1999 में आईसी–814 विमान अपहरण के वक्त पीड़ित, चिंतित जनता प्रधानमंत्री आवास तक पहुंची थी, क्योंकि विमान में कई यात्री सवार थे और अपहरण आतंकियों ने किया था। तब देश के प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी थे। दूसरी बार, 2012 में अन्ना हजारे आंदोलन के समय युवाओं की भीड़ ने प्रधानमंत्री आवास पर प्रदर्शन किया था।

जिनेवा संधियों के खिलाफ जंग

ईरान युद्ध ऐसी पराकाष्ठा पर पहुंच गया है, जहां 1949 की जिनेवा अंतरराष्ट्रीय सन्धियों का उल्लेख अनिवार्य है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और ईरान के आईआरजीसी ने तो उन सन्धियों के प्रति आंखें मूंद ली हैं, अब यह हकीकत लगता है। विध्वंस, विस्फोट और अंततरु विनाश जारी है, जिनमें मानवाधिकार और मानवीय व्यवस्थाएं भी कुचली जा रही हैं। कोई वैश्विक संस्थान अथवा मंच या राष्ट्र–समूह नहीं है, जो इन पागल, बौखलाए और संहारी जंगियों को समझा सकें या रोक लगा सकें। हमें एक बार फिर लिखना–कहना पड़ रहा है कि संयुक्त राष्ट्र अब एक लुंज–पुंज संस्थान बन कर रह गया है। अब यह भाषण पेलने का ही मंच रह गया है, लिहाजा उस पर ढक्कन बंद कर देना चाहिए। युद्ध के अलावा, अब यह संस्थान विस्थापन, शरण, भोजन, पानी, स्वास्थ्य, संरक्षण और जलवायु–परिवर्तन तक किसी भी लिहाज से सशक्त मंच नहीं रहा है, क्योंकि अब कोई भी देश उसकी अपील या आह्वान की परवाह तक नहीं करता। वीटो वाले देशों के अपने गिरोह, षड्यंत्र और कूटनीतिक हित हैं। अब विश्व के असंख्य करदाताओं के अरबों डॉलर (या रुपए) फूंकना बेमानी है। बहरहाल जिनेवा सन्धि के अनुच्छेद 52 में स्पष्ट प्रावधान है कि युद्ध के दौरान नागरिकों, स्कूलों, अस्पतालों, नागरिक व्यवस्थाओं पर हमले नहीं किए जाएंगे। अनुच्छेद 54 में उल्लेख है कि पानी, खाद्य और अन्य नागरिक सुविधाओं पर हमला करना या उन्हें नष्ट करना प्रतिबंधित है। यह चेतावनी भी जोड़ी गई है कि यदि नागरिकों की जान का खतरा है, तो इन सुविधाओं और व्यवस्थाओं पर हमले पूरी तरह निषिद्ध हैं।

ये चार सन्धियां खुद दुनिया के बड़े देशों ने, आपसी विमर्श के बाद, पारित की थीं, हस्ताक्षर किए थे, लेकिन युद्ध कोई भी हो, इन सन्धियों की धज्जियां उड़ाई जाती रही हैं। मौजूदा ईरान युद्ध हो अथवा साढ़े चार साल से जारी रूस–यूक्रेन युद्ध हो, ये सन्धियां चीत्कार करती रही हैं। ऐसा आभास होता है मानो जिनेवा सन्धियों के खिलाफ ही जंग जारी है! अमरीका ने तो ईरान युद्ध की शुरुआत में ही एक स्कूल पर हमला कर 168 बच्चियों का सामूहिक नरसंहार कर दिया था। अमरीका के खिलाफ कोई

कार्रवाई नहीं, कोई दंडात्मक फैसला नहीं, महज बयान से क्या होता है? अमरीकी लड़ाकू विमान बीती 11 रातों से ईरान पर लगातार मिसाइल हमले, बमबारी कर रहे हैं, हमले होर्मुज तट से राजधानी तेहरान तक विनाश की कहानियां लिख रहे हैं, त्रासदियां कितनी हुईं, फिलहाल इनका कोई डाटा सामने नहीं है। नुकसान अकल्पनीय है। हमले बिजलीघरों, पानी के संयंत्रों, पुलों, इमारतों, परमाणु स्थलों के करीब किए जा रहे हैं, लेकिन विश्व में जिनेवा सन्धियों को लेकर कोई हस्तक्षेप या बयान सामने नहीं आया है। दुनिया के सबसे बड़े गुंडे के खिलाफ बोलने की हिमाकत कौन कर सकता है? ईरान में राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की जानकारी के लिए एक सर्वेक्षण किया गया। उसमें 45 फीसदी लोग युद्ध के कारण खौफजदा सामने आए, करीब 49 फीसदी ने युद्ध बढ़ने का डर बताया, 44.3 फीसदी ने युद्धविराम की इच्छा जताई, 81 फीसदी से अधिक ऐसे थे, जिन तक बुनियादी सुविधाओं और सामान की पहुंच नहीं थी, करीब 63 फीसदी लोगों में युद्ध के कारण गुस्सा और चिड़चिड़ापन बढ़ा है और 50 फीसदी से अधिक लोगों में किसी बेहतर सुधार की उम्मीद नजर नहीं आई। साफ है कि ईरान युद्ध में जिनेवा सन्धियां चीत्कार कर रही हैं। लोगों की सुनने वाला कोई नहीं है। काम–धंधे छिन रहे हैं, बेरोजगारी के साथ भुखमरी भी बढ़ रही है। अमरीका भी यही चाहता है कि ईरान का अवाम मौजूदा हुकूमत के खिलाफ विद्रोह पर उतर आए। यही अमरीका की असल सामरिक कामयाबी होगी। राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश हैं कि ईरान में ‘नरक’ के दरवाजे खोल दिए जाएं। एक साथ 17 शहरों और 95 ठिकानों पर अमरीकी हमले किए गए हैं। पलटवार में ईरान ने जॉर्डन को विनाशक हमलों का ‘एपिसेंटर’ बना दिया है। जॉर्डन के साथ–साथ बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान, सीरिया में भी हमलों ने तबाही मचा रखी है। अमरीकी सैनिक भी मारे गए हैं, जबकि 400 से अधिक घायल बताए जा रहे हैं। अमरीका के 9.91 लाख करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं। अमरीका में जन–विरोध उभरता जा रहा है। सीनेट में भी सवाल पूछे गए कि ट्रंप कब तक यह युद्ध जारी रखेंगे? जवाब कौन देगा?

राम मंदिर ट्रस्ट सीईओ के लिए अनावश्यक शर्त

श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी यानी सीईओ के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। आवेदकों की बड़ी संख्या को देखते हुए फिलहान नियुक्ति को कुछ समय के लिए आगे बढ़ा दिया है, लेकिन इसे लेकर कुछ सवाल भी उठे हैं। आवेदन से जुड़ी अपेक्षाओं में सीईओ के कर्तव्यों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। ये श्रेणिया हैं—मुख्य परिचालन एवं प्रशासनिक कर्तव्य, तीर्थयात्री प्रबंधन तथा सुरक्षा और सांस्कृतिक एवं संस्थागत संरक्षण। पहली दो श्रेणियां विशुद्ध प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रकृति की हैं। जबकि तीसरी श्रेणी धार्मिक अनुष्ठान पर्यवेक्षण के अंतर्गत यह उल्लेख है कि श्धार्मिक अनुष्ठानों, उत्सवों और मंदिर समारोहों के सुचारु, व्यवस्थित एवं पारंपरिक संचालन को सुगम और सुनिश्चित करना। सीईओ से यह भी अपेक्षा होगी कि वह उन पुजारियों–पुरोहितों को वे सभी आवश्यक सुविधाएं एवं सहयोग प्रदान करे, जो ऐसे समारोहों का संचालन करते हैं।

ऐसी अपेक्षा इसलिए, क्योंकि इन कार्यक्रमों की प्रकृति पूरी तरह धार्मिक होगी, जिनके लिए उसके पास आवश्यक विशेषज्ञता का संभवतरु अभाव होगा। सीईओ के लिए निकले विज्ञापन में “सक्रिय हिंदू” होना अनिवार्य किया गया है। इस अनिवार्यता में कोई बुराई नहीं कि सीईओ को हिंदू होना ही चाहिए, लेकिन इसका दूसरा पहलू कुछ चिंतित करने वाला है। पिछले पांच सौ वर्षों के दौरान हिंदी भाषी क्षेत्रों में हिंदू धर्म के विभिन्न संप्रदायों के मतभेदों को दूर करने की दिशा में जो भी प्रगति हुई है, यह प्रविधान उसे पलटने की आशंका लिए हुए है।

यहां तक कि यह भाव श्रीराम के अनन्य भक्तों में से एक गोस्वामी तुलसीदास की रामचरितमानस में व्यक्त भावना के भी विपरीत है। यह बात अब लगभग विस्मृत कर दी गई है कि तुलसीदास के समय में शैव और वैष्णव भक्तों के बीच गहरा मतभेद और वैमनस्य था। यह प्रतिद्वंद्विता आज भी देश के कुछ हिस्सों में मौजूद है, लेकिन अधिकांश क्षेत्रों से यह काफी हद तक समाप्त हो चुकी है। इसलिए इस पर आश्चर्य हुआ कि राम मंदिर में सीईओ के लिए किसी वैष्णव को प्राथमिकता देने का उल्लेख क्यों

था? जब हिंदुओं को विभाजित करने वाली कोई बात मुझे व्यथित करती है तो स्मृति बचपन के दिनों की ओर लौट जाती है और मुझे दो मित्र—भाई याद आते हैं।

इनमें से एक सेवानिवृत्त आइएएस हैं और दूसरे एक वरिष्ठ वकील। दोनों ही श्रीराम के परम भक्त हैं और रामचरितमानस के मर्मज्ञ। जब मैंने सीईओ पद पर नियुक्ति के लिए जारी विज्ञापन में रामभक्त वैष्णव को प्राथमिकता की ओर उनका ध्यान आकर्षित कराया तो उन्होंने जवाब में मुझे रामचरितमानस की कई ऐसी चौपाइयां और दोहे भेजे, जिनमें यह उल्लेख है कि स्वयं प्रभु श्रीराम भगवान शिव के विषय में क्या कहते हैं, “सिव द्रोही मम भगत कहावा। सो नर सपनेहुं मोहि न पावा संकर बिमुख भगति चह मोरी। सो नारकी मूढ़ मति थोरी ऐसा ही एक उदाहरण भगवान श्रीराम के अयोध्यावासियों को संबोधन का है, जिसमें वे कहते हैं, ष्छौरउ एक गुपुत मत सबहि कहउं करि जोरि। शंकर भजन बिना नर भगति न पावै मोरि श्रीराम और महादेव के मध्य किसी भी प्रकार का मतभेद नहीं और इसकी पुष्टि स्वयं दोनों के उद्गार करते हैं। उमा कहउं मैं अनुभव अपना। सत हरि भजनु जगत् सब सपना जैसे दोहे के रूप में व्यक्त हुआ ऐसा ही एक भाव करोड़ों हिंदुओं के हृदय में बसा हुआ है।

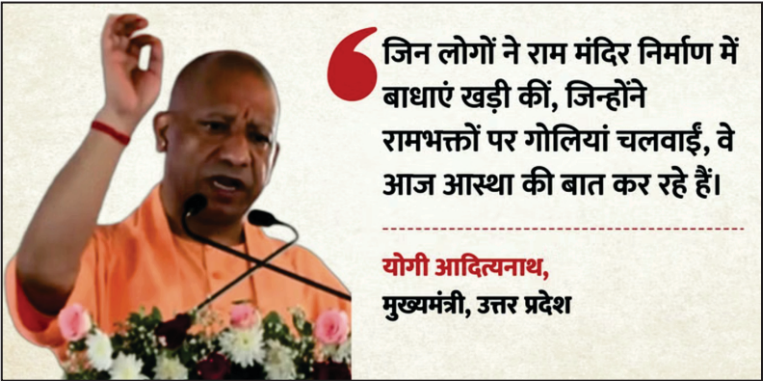
जब स्वयं गोस्वामी तुलसीदास ने भक्ति भाव को लेकर ऐसे किसी विभाजन की राह को इतने प्रभावी ढंग से अवरुद्ध कर दिया कि आज शैव और वैष्णव के बीच अंतर की कोई बात नहीं करता, तब राम मंदिर के सीईओ के लिए वैष्णव को प्राथमिकता देने की शर्त की भला क्या ही आवश्यकता थी? यह संभव है कि देश के कुछ हिस्सों में हिंदू समाज के बीच यह भेद अभी भी कुछ हद तक कायम हो, लेकिन हिंदी भाषी क्षेत्रों में आम हिंदू बिना ऐसे किसी आग्रह के सभी मंदिरों में अपनी आस्था के साथ श्रद्धानवत होते हैं।

एक सामान्य श्रद्धालु प्रभु श्रीराम, देवाधिदेव महादेव और आदिशक्ति देवी के विभिन्न रूपों—स्वरूपों की पूजा–अर्चना समान भाव से करता है और लोग स्वयं को शैव, वैष्णव या शाक्त (देवी–भक्त) कसौटियों पर कसते हुए एक–दूसरे के साथ कोई भेद नहीं करते।

गोरखपुर में सीएम योगी-994 करोड़ की 14 परियोजनाओं की दी सौगात

इस दौरान उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले आस्था पर प्रहार करते थे, वही आस्थावान बनने का ठेका लेने की बात कर रहे हैं

गोरखपुर,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने गोरखपुर दौरे पर शुक्रवार को विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 813 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का लोकार्पण और 181 करोड़ रुपये की 10 परियोजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि जो लोग कभी आस्था पर प्रहार करते थे, आज वही आस्थावान बनने का ठेका लेने का दावा कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने प्रदेश सरकार की विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं का भी उल्लेख किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि वर्ष 2007 से 2017 के बीच 10 वर्षों में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन ने 29 चीनी मिलों को बंद किया। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने युवाओं के भविष्य के साथ अन्याय और शोषण किया, जिसे प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है। उन्होंने कहा कि आज इनए उत्तर प्रदेश में विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। प्रदेश में सड़क संपर्क व्यवस्था पहले की तुलना में काफी बेहतर हुई है और सरकार लगातार आधारभूत ढांचे को मजबूत करने का काम कर रही है। टीपीनगर-पैडलेगंज मार्ग पर 2.6 किमी लंबे सिक्सलेन फ्लाईओवर सहित 813.52 करोड़ रुपये की चार परियोजनाओं का लोकार्पण और 181.77 करोड़ रुपये की 10 विकास परियोजनाओं का शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोगों के मुंह से आस्था के उपदेश हास्यास्पद लगते हैं। सपा ने अपने शासन में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन को बाधा पहुंचाई। उसने रामभक्तों पर गोली चलवाई। कांग्रेस ने भगवान श्रीराम के अस्तित्व और मंदिर आंदोलन के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपना अधिवक्ता खड़ा किया। ऐसे लोग आज किस मुंह से आस्था की बात कर रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और सपा ने अपनी सरकारों में न केवल आस्था से खिलवाड़



जिन लोगों ने राम मंदिर निर्माण में बाधाएं खड़ी कीं, जिन्होंने रामभक्तों पर गोलियां चलवाई, वे आज आस्था की बात कर रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ,
मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

किया बल्कि युवाओं को नौकरी और रोजगार से वंचित किया, अन्नदाता किसानों का हक छीना। इन दलों की सरकारों ने बहन-बेटियों और व्यापारियों की सुरक्षा पर संकट खड़ा किया। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले यूपी में आए दिन दंगे होते थे, अराजकता चरम पर थी। होली, दुर्गापूजा, विजयदशमी, रामनवमी, कृष्णजन्माष्टमी जैसे पर्वों पर दंगे होते थे, कांवड़ यात्रा नहीं निकलने दी जाती थी। अब यही लोग आस्था पर बड़े-बड़े हास्यास्पद उपदेश दे रहे हैं।

शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता कांग्रेस और सपा का किया अत्याचार

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के पहले इंसेफेलाइटिस को लेकर सरकारी उदासीनता, सुरक्षा और निवेश के बदतर हालात को लेकर भी कांग्रेस और सपा पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले इंसेफेलाइटिस बीमारी पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए नियति बन चुकी थी। इसकी चपेट में आकर हजारों बच्चों की मौत हो गई पर तबकी सरकारों के कान पर जूं नहीं रेंगता था। सरकारें कान में रुई डालकर सोई रहती थीं, उन्हें जनता की पीड़ा महसूस करने की फुर्सत नहीं थी। उन्होंने कहा कि बच्चों, किशोरों और नौजवानों के जीवन के साथ कांग्रेस और सपा ने जितना शोषण और अत्याचार किया उसे शब्दों में नहीं व्यक्त किया जा सकता।

नौकरियों पर होता था सैफर्ड सिंडिकेट का कब्जा

मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा सरकार ने

नौजवानों को बेरोजगार करने का पाप किया था। सपा शासन में कभी नौकरी निकली भी तो उस पर उसी पार्टी के लोग युवाओं से छल करते थे। नौकरियों पर सैफर्ड सिंडिकेट का कब्जा हो जाता था। सपा ने न सिर्फ नौकरियों पर डकैती डाली बल्कि उसने नौजवानों के अधिकार कम कर उन्हें ठगने का भी काम किया।

माफिया और मच्छर के भय से कोई नहीं आना चाहता था गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से 10 वर्ष पूर्व गोरखपुर में भय का माहौल था। तब गोरखपुर गुंडे, माफियाओं और मच्छर के लिए बदनाम था। माफिया और मच्छर के भय से कोई गोरखपुर नहीं आना चाहता था। 10 वर्ष पूर्व कोई भी निवेशक गीड़ा में निवेश करने को तैयार नहीं था।

माफिया के भय से कोई प्रॉपर्टी नहीं खरीदता था। आज जब सुरक्षा का माहौल मिला तो बड़े पैमाने पर निवेश आया है। इससे अकेले गीड़ा में 50000 नौजवानों को नौकरी और रोजगार मिला है। आज हर व्यक्ति की पहली च्वाइस गोरखपुर में जमीन खरीदने और मकान बनवाने की होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2007 से 2017 तक प्रदेश की 29 चीनी मिलों को तत्कालीन कांग्रेस और सपा सरकारों ने बंद कर दिया। इनमें से 21 चीनी मिलों को औने पौने दामों पर बेच दिया गया। पडरौना चीनी मिल को महज 2 करोड़ में बेचा गया जबकि उसका स्क्रैप इससे कई गुना अधिक था, जमीन की कीमत तो 200 करोड़ रुपये थी।

9 वर्ष में दी 9 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 9 वर्षों के दौरान बिना भेदभाव 9 लाख नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। अब नौकरियों में बिना भेदभाव चयन होता है और इसमें गोरखपुर के नौजवानों को भी पर्याप्त अवसर मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एक जिला एक उत्पाद योजना से पारंपरिक उद्योगों को पुनर्जीवित किया गया। सवा तीन करोड़ युवाओं, कारीगरों ने अपने उद्यम प्रारंभ किए। 65 लाख नौजवानों को निजी निवेश के माध्यम से नौकरी और रोजगार प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के पहले प्रदेश में यह संभव नहीं था।

पर्यटन और आजीविका का माध्यम बन है रामगढ़ताल

सीएम योगी ने कहा कि गोरखपुर का रामगढ़ताल आज पर्यटन का सबसे बड़ा और बेहतरीन केंद्र बन गया है। जबकि 10 वर्ष पूर्व इसकी पहचान सुनसान स्थल, गंदगी और मच्छर के कारण थी। अपराधी हत्या करके यहां शव फेंक जाते थे। अब यह ताल पर्यटन का सबसे बड़ा केंद्र बन चुका है।

देर रात तक हजारों परिवार यहां भ्रमण करके आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा कि रामगढ़ताल के किनारे फिल्मों की शूटिंग हो रही है और हजारों लोगों को आजीविका भी मिल रही है। यह ताल पर्यटन और आजीविका का माध्यम बढ़कर गोरखपुर की एक उपलब्धि बन चुका है। लोकार्पण और शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर का भविष्य अति उज्ज्वल कर दिया है। जिस गोरखपुर को टूटी सड़क और फूटी किस्मत के लिए जाना जाता था, उस गोरखपुर की धरती आज सीएम योगी के विजन से सिक्सलेन फ्लाईओवर देख रही है।

सीएम योगी ने इन विकास कार्यों का किया लोकार्पण

टीपीनगर-पैडलेगंज मार्ग पर सिक्सलेन फ्लाईओवर (देवरिया बाईपास तिराहा को भी फ्लाईओवर से जोड़ते हुए), लागत

429 करोड़ 49 लाख 39 हजार रुपये। पैडलेगंज चौराहे से फिराक गोरखपुरी चौराहा तक मार्ग का फोरलेन में चौड़ीकरण, लागत 277 करोड़ 77 लाख 94 हजार रुपये। एयरफोर्स स्टेशन परिसर स्थित एमईएस ऑफिस कॉम्प्लेक्स की शिपिंग का कार्य, लागत 103 करोड़ 51 लाख 17 हजार रुपये। थाना गुलरिहा के 48 क्षमता हॉस्टल/बैरक एवं विवेचना कक्ष का निर्माण, लागत 2 करोड़ 74 लाख 4 हजार रुपये।

इन विकास परियोजनाओं का किया शिलान्यास

महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत मुख्यमंत्री श्रमजीवी महिला छात्रावास का निर्माण, लागत 47 करोड़ 38 लाख 47 हजार रुपये। नंदानगर पुलिस चौकी से शमशेर गेट तक मार्ग में पड़ने वाले लेवल क्रॉसिंग हेतु अंडरपास एवं सर्विस रोड, लागत 73 करोड़ 64 लाख 49 हजार रुपये। राज्य स्मार्ट सिटी योजना अंतर्गत विश्वविद्यालय चौक के समीप साइंस म्यूजियम का निर्माण, लागत 49 करोड़ 60 लाख 49 हजार रुपये। टाटा टेक्नोलॉजी लिमिटेड के सहयोग से राजकीय महिला पॉलिटेक्निक में सेंटर ऑफ़ एकसीलेंस का निर्माण, 7 करोड़ 6 लाख 75 हजार रुपये। डिपो कार्यशाला राप्तीनगर स्थित टायर शॉप का उच्चीकरण, लागत 2 करोड़ 46 लाख 99 हजार रुपये। वार्ड नं. 18 पवन विहार में सीसी रोड का निर्माण, लागत 49 लाख 72 हजार रुपये। वार्ड नं. 25 गिरधरगंज में सीसी रोड का निर्माण, लागत 23 लाख 46 हजार रुपये। वार्ड नं. 20 लच्छीपुर में सीसी रोड व नाली का निर्माण, लागत 48 लाख 99 हजार रुपये। मोहल्ला नंदानगर दरगहिया में सीसी रोड व नाली का निर्माण, लागत 8 लाख 9 हजार रुपये। वार्ड नं. 70 चंद्रशेखर आजाद नहर में सीसी रोड व नाली का निर्माण, लागत 29 लाख 56 हजार रुपये।

जनता दर्शन में सीएम योगी 200 लोगों की सुनी फरियाद

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखपुर में जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने अधिकारियों को त्वरित और संवेदनशील निस्तारण के निर्देश दिए। गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता का भरोसा दिलाया और बाद में गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा भी की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में आए लोगों को आश्चर्य करते हुए कहा कि सरकार सबकी समस्या का समाधान कराने को प्रतिबद्ध है। गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता का अनुरोध लेकर आए लोगों को उन्होंने आश्चर्य किया कि गंभीर बीमारियों के इलाज में सरकार भरपूर आर्थिक सहायता उपलब्ध कराएगी।

करीब 200 लोगों की सुनीं समस्याएं

गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात कर उनकी

समस्याएं सुनीं। उन्होंने सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए शीघ्रता से समस्या समाधान के लिए निर्देशित किया। साथ ही चेताया भी कि जन समस्याओं के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सीएम योगी ने अधिकारियों से कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी शीघ्रता से सहायता की जानी चाहिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पारिवारिक विवाद के समाधान के लिए पहले संवाद और फिर विधिक कार्यवाही के लिए निर्देशित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कहा कि जनता की समस्याओं का निस्तारण तत्परता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता से किया जाए। हर समस्या का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पैसे के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा।

सीएम की चेतावनी-सीएम योगी ने किया निर्देशित जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं, लापरवाही पर होगी कड़ी कार्रवाई

गोरखपुर,संवाददाता। सीएम योगी बुधवार दोपहर एनेक्सी भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उनका सर्वाधिक जोर जलनिकासी को लेकर रहा। उन्होंने दो टूक कहा जो भी जरूरी तैयारी या व्यवस्थाएं करनी हैं, उन्हें सुनिश्चित किया जाए, कहीं भी और किसी भी दशा में जलभराव नहीं दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि महानगर में किसी भी दशा में जलभराव की समस्या बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नाले, नालियों की बड़े पैमाने पर सफाई कराने और बारिश होने पर अधिकाधिक पंपों का संचालन सुनिश्चित करते हुए ध्यान रखा जाए कि कहीं भी जलभराव न होने पाए। जलभराव की समस्या के समाधान में किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर जवाबदेही तय कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सीएम योगी बुधवार दोपहर एनेक्सी भवन सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले के विकास कार्यों, बाढ़ बचाव और जलनिकासी की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उनका सर्वाधिक जोर जलनिकासी को लेकर रहा। उन्होंने दो टूक कहा जो भी जरूरी तैयारी या व्यवस्थाएं करनी हैं, उन्हें सुनिश्चित किया जाए, कहीं भी और किसी भी दशा में जलभराव नहीं दिखना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी नाले, नालियों की नियमित सफाई कराई जाए, नाले, नालियों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रयोग को रोका जाए ताकि इससे नाले चोक न होने पाएं। मुख्यमंत्री ने समझाया कि हमें मौसम के प्रभाव के अनुसार खुद को तैयार रखना होगा। सीएम योगी ने कहा कि नाला निर्माण और मरम्मत के प्रस्ताव समय से लेकर समयबद्ध तरीके से काम पूरा

किया जाए। सभी अधिकारी, कर्मचारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें और कहीं भी नकारात्मक वातावरण न बनने दें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महानगर के राप्ती कॉम्प्लेक्स, गोरक्ष एक्लेव, विजय चौराहा तथा धर्मशाला आदि पर हुए जलभराव की जानकारी लेते हुये कहा कि नालों की नियमित रूप से सफाई हो। सफाई के बाद उन्हें ढका जाए। कहीं भी नालियां खुली न रहें। नगर निगम के सभी पंप पूरी क्षमता से संचालित किए जाएं। उन्होंने कहा कि इन व्यवस्थाओं के साथ ही लोगों को प्रेरित किया जाए कि वह कूड़ा नालियों में न डालें। स्वच्छता के लिए कार्यक्रम चलाया जाए, साथ ही नियमित छिड़काव एवं फागिंग कराई जाए। सीएम ने कहा कि स्वच्छता के कार्यक्रम में अधिकाधिक जनसहभागिता भी सुनिश्चित होनी चाहिए। टीम बना कर हर वार्ड, मलिन बस्तियों, खाली प्लाटों की सफाई कराई जाए और कूड़ा निस्तारण सही से किया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्वच्छता अभियान चलाया जाए और इसे रूटीन के कार्यों का हिस्सा बनाया जाए। कहा कि स्वच्छता के कार्यक्रम के जनप्रतिनिधियों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जाए। शासकीय भवनों में भी सफाई पर ध्यान दिया जाए। उन्होंने स्ट्रीट वेंडर्स को व्यवस्थित करने, स्ट्रीट लाइटों को ठीक रखने और सभी सीसीटीवी को अद्यतन रखने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि बेसहारा गोवंश सड़को पर न रहें। उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि डॉग सड़कों पर न रहें। उनके लिये डॉग शैल्टर बनाया जाए। सीएम ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि जिला अस्पताल सहित सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर पर्याप्त संख्या में एंटी स्नैक वेनम और एंटी रैबीज वैक्सीन उपलब्ध रहे।



“कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास को घेरती है, उनकी सुरक्षा में सेंध लगाने का बेशर्मी से प्रयास करती है... कांग्रेस और समाजवादी पार्टी, देश के खिलाफ षड्यंत्र कर रही हैं...”



दिन में पूछा मुआवजा कैसे मिलेगा



मेरठ। बिजनौर में बीरो देवी की मौत के मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। बीरो देवी की मौत गुलदार के हमले से नहीं हुई थी बल्कि उसकी बेटे ने हत्या की थी। पुलिस जांच में पूरा मामला साफ हो गया। यूपी के बिजनौर जिले से सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां हीमपुर दीपा थाना इलाके के गांव अजुपुरा जट में सोमवार की शाम बीरो देवी (65) की मौत मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। महिला की मौत गुलदार के हमले में नहीं हुई थी बल्कि पांच लाख रुपये मुआवजे के लालच में बेटे बहाल सिंह उर्फ मनिया ने ही गला दबाकर उसकी हत्या की थी। पुलिस ने हत्या का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। खास बात यह भी है कि आरोपी ने उस दिन दोपहर में ही डीएफओ ऑफिस जाकर गुलदार के हमले में मुआवजा मांगा था। जब पता चला कि मौत पर पांच लाख का मुआवजा मिलने का प्रावधान है तो शाम को उसने मां की हत्या कर दी और गुलदार के हमले का शोर मचा दिया। यह बात पुलिस जांच में सामने आई है। बीरो देवी सोमवार की शाम छोटे बेटे बहाल सिंह उर्फ मनिया के साथ चारा लेने गई थी। बहाल सिंह ने गुलदार के हमले में अपनी मां के मरने की सूचना डायल-112 पुलिस और ग्रामीणों को दे दी थी। उसने पुलिस और गांव वालों को मां को बचाने के लिए गुलदार से लड़ने की झूठी कहानी भी सुना दी। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव नहीं उठाने दिया था। करीब दो घंटे बाद तहसीलदार एवं वन विभाग चांदपुर के रेंजर दुष्यंत मावी ने मृतका के आश्रितों को पांच लाख रुपये की मुआवजा दिलाने का लिखित आश्वासन देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता लगा कि वृद्धा की मौत गुलदार के हमले में नहीं बल्कि गला दबाने से हुई थी।

छात्र आंदोलन में शामिल होने वाले असिस्टेंट प्रोफेसर को नौकरी से निकाला

बरेली, संवाददाता। छात्र आंदोलन का समर्थन करना और दिल्ली जाकर प्रदर्शन में शामिल होना बरेली के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मोहित भारद्वाज को भारी पड़ गया है। उनका आरोप है कि कॉलेज प्रबंधन ने बिना नोटिस के उनकी सेवा समाप्त कर दी है। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। बरेली में गन्ना उत्पादक (स्नातकोत्तर) महाविद्यालय बहेड़ी के असिस्टेंट प्रोफेसर (कॉमर्स) डॉ. मोहित भारद्वाज ने जिलाधिकारी को प्रार्थना-पत्र देकर आरोप लगाया है कि उन्हें बिना कारण बताए, बिना नोटिस, बिना विभागीय जांच और बिना सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के सेवा से हटा दिया गया। आरोप है कि जंतर मंतर पर धरना में शामिल होने पर कार्रवाई की गई। प्रोफेसर ने प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराकर सेवा बहाल कराने की मांग की है। डॉ. भारद्वाज का कहना है कि उनकी नियुक्ति महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय की



असिस्टेंट प्रोफेसर डा. मोहित भारद्वाज

स्वीकृति के बाद 20 जून 2024 को हुई थी और उन्होंने 11 जुलाई 2024 को कार्यभार ग्रहण किया। उनका दावा है कि कॉलेज ने उन्हें पहचान पत्र जारी किया, जिसकी वैधता 30 जून 2027 तक है। इसके अलावा 20 मई 2026 को कॉलेज प्रशासन ने उन्हें उत्कृष्ट आचरण और कार्यनिष्ठा का प्रमाणित करते हुए चरित्र

जंतर मंतर पर जाने से गई नौकरी!

- छात्र आंदोलन में शामिल होने पर कार्रवाई
- कॉलेज प्रबंधक पर लगाए गंभीर आरोप
- कॉलेज प्रबंधक को बताया भाजपा का पक्षधर

प्रमाणपत्र भी जारी किया।

प्रार्थना-पत्र में आरोप लगाया गया है कि इसके बावजूद अचानक बिना किसी आरोप, बिना कारण बताओ नोटिस (शो कॉज नोटिस), बिना विभागीय जांच और बिना सुनवाई का अवसर दिए उनकी सेवा समाप्त कर दी गई। उन्होंने इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों और उत्तर

प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग की स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों संबंधी नियमावली के विपरीत बताया है। पुलिस से बचकर दिल्ली गए थे प्रोफेसर डॉ. मोहित भारद्वाज ने कहा कि जंतर मंतर पर युवाओं की हक की लड़ाई में वे शामिल होने जा रहे थे लेकिन घर पर उन्हें नजरबंद करने की कोशिश की गई तब वे छत के कूदकर घर से निकले और धरना में शामिल हुए। जहां छात्रों पर लाठियां बरसाई गई। अगले दिन वे लौट आए तो प्रबंधक ने उन्हें निष्कासन पत्र थमा दिया। किसी सवाल का संतोषजनक जवाब नहीं दिया। डॉ. भारद्वाज ने कहा कि उनके खिलाफ कभी कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई नहीं हुई और न ही किसी जांच में कोई आरोप सिद्ध हुआ। उनका कहना है कि सेवा समाप्त होने से उन्हें और उनके परिवार को आर्थिक व मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के 3.50 लाख शिक्षकों को भी मिलेगी कैशलेस चिकित्सा, शासन ने दिए निर्देश

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी कैशलेस इलाज का तोहफा मिलेगा। इसको लेकर शासन के द्वारा निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रदेश के 2500 से अधिक वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के लगभग 3.50 लाख से अधिक शिक्षकों को भी कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। शासन ने इसके लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक को यहां के शिक्षकों के चिन्हांकन व रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं।



माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से फरवरी में राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिए जाने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह कहा था कि वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों का कोई अधिकृत आंकड़ा नहीं है। इसलिए इनके चिन्हांकन व रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से फरवरी में राजकीय व अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ दिए जाने के निर्देश दिए थे। साथ ही यह कहा था कि वित्तविहीन विद्यालयों के शिक्षकों का कोई अधिकृत आंकड़ा नहीं है। इसलिए इनके चिन्हांकन व रजिस्ट्रेशन कराने के निर्देश दिए हैं।

राजकीय व एडेड में 55 हजार रजिस्ट्रेशन

माध्यमिक शिक्षा विभाग साक्षी द्वारा विकसित पोर्टल पर राजकयी मा अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन करा रहा है। इसकी गति अपेक्षाकृत धीमी है। अभी तक लगभग 55 हजार शिक्षकों व उनके आश्रितों को लेकर 1.72 लाख लोगों का रजिस्ट्रेशन कर चुका है। वहीं लगभग 10 हजार आवेदन डीआईओएस व प्रधानाचार्य के स्तर पर लंबित हैं।

रील का शौक और अटूट प्यार

तीन बहनों ने एक ही युवक से की शादी, एक बहन ने बताया विवाह का कारण, अजीबोगरीब कारनामा



मुरादाबाद, संवाददाता। यूपी के अमरोहा से अजीबोगरीब कारनामा सामने आया है। यहां तीन बहनों ने एक ही युवक से शादी रचाई है। प्रसिद्ध चामुंडा मंदिर में हुए इस विवाह का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अमरोहा के हसनपुर में रील बनाने के शौकीन युवाओं के अजीबोगरीब कारनामे अक्सर चर्चा में रहते हैं, लेकिन कोतवाली क्षेत्र में एक ऐसा अनोखा मामला सामने आया है जिसने सभी को हैरान कर दिया है। गंगा किनारे स्थित एक गांव की तीन बहनों ने एक ही युवक के साथ शादी रचा ली है। नगर के प्रसिद्ध चामुंडा मंदिर में हुए इस विवाह का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में दो सगी और एक चचेरी बहन अपने कथित पति के साथ बैठी नजर आ रही हैं। तीनों बहनों के इंस्टाग्राम और फेसबुक पर काफी एक्टिव अकाउंट्स हैं। उनमें से एक युवती ने वीडियो में शादी की वजह बताते हुए कहा

कि उनके पिता ने एक बहन का रिश्ता तय किया था, लेकिन तीनों बहनों में इतना गहरा प्रेम है कि वे एक-दूसरे से अलग नहीं रह सकतीं। युवतियों का कहना था कि उन्होंने अपने पिता से किसी ऐसे परिवार में रिश्ता ढूँढ़ने को कहा था जहां तीन भाइयों से उनकी शादी हो सके। जब ऐसा रिश्ता नहीं मिला और अलग होने की नौबत आई, तो उन्होंने खुदकुशी तक करने की योजना बना ली थी। हालांकि, उसी कोतवाली क्षेत्र के एक युवक ने उन्हें ऐसा कदम उठाने से रोका और सहारा दिया। इसके बाद तीनों ने उसी युवक को अपना पति स्वीकार कर लिया। 15 जुलाई को चामुंडा मंदिर में बिना किसी रिश्तेदार के यह अनोखी शादी संपन्न हुई। मंगलवार शाम यह अनोखा जोड़ा नगर पालिका अध्यक्ष राजपाल सैनी के आवास पर भी पहुंचा, जहां पालिका अध्यक्ष की पत्नी ने तीनों बहनों के साथ एक रील बनाई जो इंटरनेट पर काफी सुर्खियां बटोर रही है।

महादेव की नगरी में अमेरिका, आस्ट्रेलिया, नेपाल से आएंगे यजमान, सावन शुरू होते ही शिवमय होगी काशी

वाराणसी,संवाददाता। वाराणसी में सावन भर शिवालयों में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। देश- विदेश से भी श्रद्धालु काशी पहुंचेंगे। अमेरिका, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल तक के शिवभक्त शिवालयों में अनुष्ठान करेंगे। सावन में देवाधिदेव महादेव की नगरी काशी में श्रीकाशी विश्वनाथ का अभिषेक व पूजन कर महाकृपा पाने के लिए विभिन्न प्रांतों के अलावा विदेशों से भी शिवभक्त काशी आ रहे हैं। अमेरिका, सिंगापुर, दुबई, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल तक के शिवभक्त यहां अनुष्ठान करेंगे। इसके साथ ही पूर्वांचल के अलावा मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड आदि राज्यों से वैदिक ब्राह्मण भी काशी आ रहे हैं। सावन 30 जुलाई से शुरू हो रहा। शिवभक्तों को सावन का इंतजार रहता है। सावन भर शिवालयों में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। यहां श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर, महामृत्युंजय महादेव, मार्कंडेय महादेव, गौरी केदारेश्वर, तिलभांडेश्वर, ओंकालेश्वर, शूलटंकेश्वर, रामेश्वर



सावन शुरू होते ही शिवमय होगी काशी

महादेव सहित अन्य शिवालयों में जलाभिषेक के लिए भीड़ होगी। सावन में सोमवार के व्रत के साथ ही रुद्राभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र का जप आदि अनुष्ठान के लिए भीड़ होगी। ज्यादातर श्रद्धालु इन अनुष्ठानों को

कराने के लिए काशी आते हैं, ताकि भगवान शिव की कृपा पा सकें। वे इस मास में शिव की आराधना करेंगे। आचार्य दैवज्ञ कृष्ण शास्त्री ने बताया कि अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और नेपाल से पांच-पांच परिवार आएंगे, जो जलाभिषेक

व महारुद्राभिषेक कराएंगे। साथ ही कथा का श्रवण करेंगे। वृंदावन, अयोध्या, जौनपुर, गाजीपुर, चंदौली, बलिया आदि जिलों के अलावा मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, हिमाचल आदि राज्यों से वैदिक ब्राह्मणों को अनुष्ठान के लिए बुलाया जा रहा है। काशी से भी कुछ वैदिक ब्राह्मण मध्यप्रदेश के अमरकंटक, महाराष्ट्र आदि राज्यों में जा रहे हैं। **शिवालयों में तैयारी, यजमान कर रहे संपर्क** सावन को देखते हुए शिवालयों में तैयारी शुरू हो गई है। प्रमुख शिव मंदिरों के आसपास बैरिकेडिंग शुरू हो गई है। पूजन-अर्चन, रुद्राभिषेक की व्यवस्था की जा रही है। पूजन सामग्रियों की बुकिंग शुरू हो गई है। साथ ही वैदिक ब्राह्मणों के यजमान उनसे अनुष्ठान की तारीख तय करने में लगे हैं। सावन मास में भगवान शिव की महिमागान के लिए श्रीशिव महापुराण, श्रीविष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत, मानस कथा होगी।

विभिन्न संस्थाएं आयोजन करेंगी। मारवाड़ी समाज की ओर से 17 अगस्त से होने वाले सप्ताहभर श्रीमद्भागवत कथा प्रख्यात भागवत मर्मज्ञ श्रीकांत बालव्यास काशी प्रवचन करेंगे। **जलाभिषेक से लेकर घरों में होंगे मंत्रों के जप** सावनभर शिवालयों में विविध अनुष्ठान होंगे। रुद्राभिषेक, महारुद्र, सप्तचंडी यज्ञ, रुद्रचंडी आदि अनुष्ठान होंगे। महामृत्युंजय महामंत्र का जप लंबी आयु और अच्छे स्वास्थ्य के लिए होगा। नमक-चमक अनुष्ठान शिव जी का एक विशेष और शक्तिशाली रुद्राभिषेक है, इसमें रुद्राष्टाध्यायी के पंचम (नमक) और अष्टम (चमक) अध्यायों का पाठ होगा। इससे नकारात्मक ऊर्जा हटती है। गृहक्लेश दूर होता है और सुख-समृद्धि आती है। सोमवार के व्रत पर शिव-पार्वती की पूजा, कांवड़ यात्रा पवित्र नदियों से शिवजी का अभिषेक होता है। भक्त घरों में मंत्र ओम नमः शिवाय का लेखन और पाठ करते हैं।

पत्नी का कत्ल- दो साल पहले शादी, नशा और विवाद, पहले भी विमलेश पर किया था कुल्हाड़ी से हमला

अलीगढ़। अलीगढ़ में पति ने धारदार हथियार से पत्नी की हत्या कर दी। दो साल पहले शादी हुई थी। घरेलू कलह में वारदात को अंजाम देने की आशंका जताई जा रही है। अलीगढ़ के खैर से सनसनीखेज खबर सामने आई है। क्षेत्र के गांव मऊ में शुक्रवार दोपहर करीब 12 बजे एक युवक ने पत्नी पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से भाग गया। परिजन व पुलिस गंभीर हालत में महिला को सीएचसी खैर ले गए जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने जांच-पड़ताल के साथ घटनास्थल से साक्ष्य भी एकत्र किए हैं।

मऊ निवासी मुकंदी लाल ने डायल-112 पर सूचना दी कि उनके सबसे छोटे बेटे रवि ने घर के कमरे में अपनी पत्नी विमलेश (22) पर धारदार हथियार से कई वार किए हैं। घर में चीख-पुकार सुनकर वह पहुंचे तो वह हथियार लेकर मौके से भाग गया। विमलेश बुलंदशहर जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के गांव धामिनी निवासी गिराज की पुत्री थीं। उनकी शादी करीब दो वर्ष पहले रवि से हुई थी। वह क्षेत्र में मजदूरी करता था। विमलेश के पिता का आरोप है कि रवि नशे का आदी था और अक्सर नशीले पदार्थों का सेवन करता था। इसके चलते विवाह के बाद से पति-पत्नी के बीच



पति ने मार डाला

पति ने की धारदार हथियार से पत्नी की हत्या

दो साल पहले हुई शादी, घरेलू कलह में वारदात

अक्सर विवाद होने की बात सामने आ रही है। सीओ खैर अभिषेक पटेल ने बताया कि आरोपी रवि घटना के बाद से

भागा हुआ है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित कर दी गई हैं। मृतका के परिजन की तहरीर के आधार

पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। **पहले भी विमलेश पर किया था कुल्हाड़ी से हमला** विमलेश के परिजन ने आरोप लगाया है कि करीब दो-तीन माह पहले भी पति रवि ने कुल्हाड़ी से उसके सिर पर हमला किया था। गंभीर रूप से घायल विमलेश कई दिनों तक निजी अस्पताल के आईसीयू में भर्ती रही। हालांकि सामाजिक समझौते के चलते पुलिस में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई। यदि पहले हुए हमले के बाद कार्रवाई होती तो शायद उसकी जान न जाती।

आजमगढ़ में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आजाद समाज पार्टी भीम आर्मी का प्रदर्शन

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आजमगढ़ में प्रदर्शन। आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी ने किया प्रदर्शन। पुलिस ने रोका, नोकझोंक के बाद शांतिपूर्ण समापन।



संवाददाता, आजमगढ़। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने शहर के नरौली स्थित चौराहे पर प्रदर्शन किया। जुलूस के रूप में आगे बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को नारौली के पास पुलिस ने रोक लिया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर तक नोकझोंक भी हुई। प्रदर्शन की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक नगर मधुबन कुमार सिंह और क्षेत्राधिकारी नगर शुभम तोदी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर

पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इसके बाद कार्यकर्ता सड़क पर बैठ गए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री की टिप्पणी से दलित, पिछड़े और वंचित समाज की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग करते हुए राष्ट्रपति के नाम संबोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने लखनऊ में घेरा बसपा मुखिया मायावती का आवास

सरकार के बाद अब विपक्षी दल के नेताओं के घरों पर भी प्रदर्शन बेसिक शिक्षा मंत्री के आवास का शुक्रवार को किया था घेराव

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के सरकारी स्कूलों में भर्ती का इंतजार कर रहे 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का अब सरकार से भरोसा उठने लगा है। अब यह लोग उप मुख्यमंत्री और मंत्रियों को छोड़कर विपक्षी दल से नेताओं से न्याय की उम्मीद कर रहे हैं। लखनऊ में शुक्रवार से प्रदर्शन कर रहे 69000 शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों ने शनिवार को बसपा मुखिया मायावती का आवास घेरा। मायावती के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रहे 69 हजार शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों को थोड़ी देर बाद पुलिस उठाकर ले गई। पुलिस ने इनको ले जाकर ईको गार्डन में छोड़ा। अभ्यर्थियों ने नियुक्ति की मांग को लेकर माल एवेन्यू में मायावती के आवास के बाहर प्रदर्शन किया। यह 6800 चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति की मांग कर रहे हैं। इन अभ्यर्थियों की चयन सूची 5 जनवरी को आई थी। इससे पहले इन अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के आवास पर प्रदर्शन किया था। लखनऊ में 69 हजार शिक्षक अभ्यर्थियों ने शनिवार को लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। नौकरी की मांग को लेकर अभ्यर्थी बीएसपी प्रमुख मायावती के आवास पहुंचे और घेराव कर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। प्रदर्शनकारी मायावती से मिलने की मांग पर अड़े रहे। 15 मिनट तक नोकझोंक चलती रही। इसके बाद पुलिस ने सभी प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया। एक महिला प्रदर्शनकारी ने कहा कि हम मांग करते हैं कि हमें यानी दलितों और पिछड़े वर्गों को न्याय मिले। हमारे लिए उपलब्ध 4,946 सीटों पर मेरिट के आधार पर नियुक्तियां की

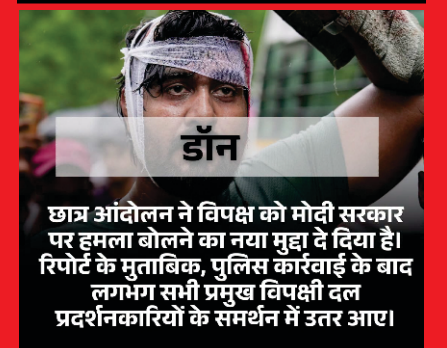


जानी चाहिए। बसपा प्रमुख मायावती निश्चित रूप से हमें न्याय दिला पाएंगी। **6800 सीटों पर नियुक्ति की मांग** प्रदेश के विभिन्न जनपदों से करीब 35 से 40 अभ्यर्थी शुक्रवार से प्रदर्शन कर रहे हैं। इनका आरोप था कि सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने उनके साथ धोखा किया। प्रदर्शनकारी ने बताया सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में 8270 सीटों के लिए एफिडेविट दाखिल किया है। जिसमें 4946 अभ्यर्थी ऐसे हैं जो इस भर्ती से तीन बार निकल चुके हैं फिर भी उनका नाम शामिल किया गया है। हमारी मांग 6800 सीटों पर पिछड़े अभ्यर्थियों को भरने की थी। मगर सरकार ने जो नई चाल चली है इसके हिसाब से 3300 अभ्यर्थियों को ही नियुक्ति मिल पाएगी। सरकार यह भी स्पष्ट करे कि इनमें ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के लिए कितनी सीटें तय की गई हैं। **सिर्फ 3300 सीटें दी जा रही हैं** प्रदर्शन में शामिल अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्हें सिर्फ 3300 सीटें दी जा रही हैं, जबकि ऑल इंडिया स्तर पर 6800 सीटों के आरक्षण घोटाले को स्वीकार किया जा चुका है। पहली, दूसरी और तीसरी काउंसिलिंग में शामिल नहीं होने वाले अभ्यर्थियों के लिए भी पद सुरक्षित रखे जा रहे हैं। जो अभ्यर्थी काउंसिलिंग में नहीं आए या जॉइनिंग नहीं ले रहे हैं, उनके पदों को खाली मानकर मेरिट में शामिल किया जाना चाहिए। सरकार कोर्ट में 8200 सीटों का आंकड़ा पेश कर रही है, लेकिन जमीन पर उन्हें सिर्फ 3300 सीटों का लाभ मिल रहा है। हमारी मांग है कि 4946 पदों को घटाया जाए। जब तक यह मांग पूरी नहीं होगी, आंदोलन जारी रहेगा।



गंगा एक्सप्रेसवे का 60 मीटर टुकड़ा धंसा दो दिन की बारिश ने खोल दी पोल प्रशासन भी हुआ खामोश

प्रयागराज, संवाददाता । दो दिन की बारिश ने 36,230 करोड़ रुपये से बने गंगा एक्सप्रेसवे की पोल खोल दी। बारिश से एक्सप्रेसवे का 60 मीटर टुकड़ा धंसा गया। इस पर प्रशासन भी कुछ बोलने के लिए तैयार नहीं है। प्रयागराज को मेरठ से जोड़ने वाला गंगा एक्सप्रेसवे माइलस्टोन संख्या 354 सहायपुरवा के पास लगभग 60 मीटर का टुकड़ा सोमवार रात किसी समय धंसा गया। इसकी जानकारी मिलते ही कार्यदायी संस्था के तकनीकी कर्मचारियों ने मरम्मत का काम भी शुरू कर दिया। नीचे से गिट्टी भर दी और इस का डामरीकरण होना बाकी है। खास बात यह है कि यह टुकड़ा उस स्थान से सात किलोमीटर दूर है जहां से प्रधानमंत्री ने इसका लोकार्पण किया था। गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण 36,230 करोड़ रुपये से हुआ है।



यूपी में वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को भी मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा, करना होगा ये काम

लखनऊ, संवाददाता । प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ देने की प्रक्रिया तय कर दी है। शिक्षकों के चिन्हांकन और सत्यापन की कार्यवाही जल्द पूरी कराने को कहा गया है, ताकि पात्र शिक्षकों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सके। पात्र शिक्षकों को योजना के लिए विकसित पोर्टल पर सबसे पहले अपना पंजीकरण करना होगा। इसके बाद उन्हें अपने तथा अपने आश्रितों का विवरण आधार कार्ड के अनुसार पोर्टल पर दर्ज करना होगा। आवेदन सबसे पहले संबंधित विद्यालय के प्रधानाचार्य के पास जाएगा। प्रधानाचार्य यह सत्यापित करेंगे कि शिक्षक की नियुक्ति नियमानुसार हुई है और वह

वर्तमान में लगातार कार्यरत है। सत्यापन के बाद आवेदन जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआइओएस) को भेजा जाएगा। डीआइओएस दूसरे स्तर पर आवेदन का परीक्षण करेंगे और सत्यापन पूरा होने के बाद अंतिम स्वीकृति देंगे। शासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि कोई शिक्षक किसी कारणवश विद्यालय से अलग हो जाता है, तो संबंधित प्रधानाचार्य इसकी सूचना तत्काल डीआइओएस को देंगे, ताकि उस शिक्षक को योजना से अलग किया जा सके और केवल पात्र शिक्षकों को ही सुविधा का लाभ मिले।

प्रदेश सरकार ने वित्तविहीन माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों को मुख्यमंत्री शिक्षक कैशलेस चिकित्सा योजना का लाभ देने की प्रक्रिया तय की है।

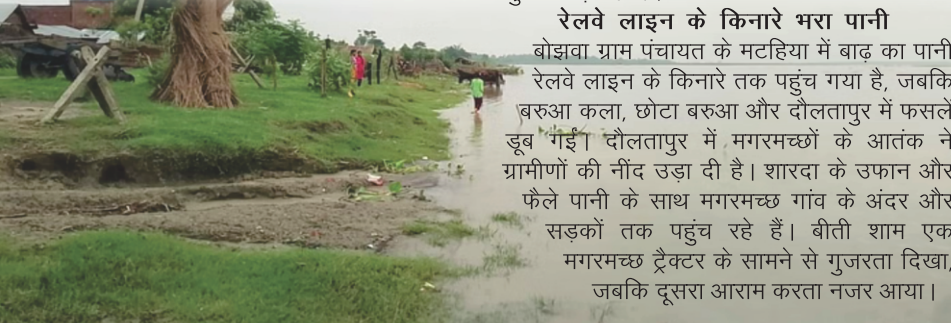
शारदा ने लांघा खतरे का निशान पानी के साथ गांव में घुस रहे मगरमच्छ



लखीमपुर खीरी में शारदा का रौद्र रूप बाढ़ के पानी में डूबीं सड़कें, 12 से अधिक गांवों का संपर्क कटा

लखीमपुर खीरी, संवाददाता । लखीमपुर खीरी में शारदा और घाघरा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। शारदा नदी पलियाकलां में खतरे का निशान पार कर गई। मंगलवार शाम चार बजे नदी का जलस्तर 154.690 मीटर तक पहुंच गया। बाढ़ का पानी सड़कों और खेतों तक पहुंच गया है। मझौरा-इमलिया मुख्य मार्ग बंद होने से एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क कट गया। बनबसा बैराज से एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी छोड़े जाने के बाद उफनाई शारदा नदी ने लखीमपुर खीरी के पलियाकलां में खतरे का निशान लांघकर गांवों की रूह निगल ली है। निर्धारित 154.590 मीटर के पार कर

मंगलवार शाम चार बजे नदी का जलस्तर 154.690 मीटर तक पहुंच गया। बाढ़ का पानी सड़कों और खेतों तक पहुंच गया। मझौरा से इमलिया जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह बंद होने से एक दर्जन से अधिक गांवों का संपर्क कट गया। पलिया के मेलाघाट पर कब्रिस्तान के पास और कर्बला के निकट खैराना मार्ग के रपटा पुल पर पानी तेज बहने लगा। मझौरा-इमलिया मुख्य मार्ग बंद होने से इमलिया फॉर्म, जंगल नंबर सात, छंगा टांडा, जमुनहा, सूरजपुर, देशराज टांडा, ढकिया, बजेड़ा, कुंवरपुर, रेती पुरवा, सापुतारा, जसकरण सिंह, गिंधी पाल और मंदिर सिंह आदि गांवों के लोगों का संपर्क कट गया है। अब उन्हें भीरा होकर लंबा चक्कर लगाकर पलिया पहुंचना पड़ रहा है।



विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के बीच PM मोदी और शरद पवार की हुई मुलाकात



गुरु पूर्णिमा से पहले विराट-अनुष्का शर्मा पहुंचे वृंदावन संत प्रेमानंद महाराज के किए दर्शन



वैटिलेटर से हटाया गया 'संसद मार्च' में घायल छात्रा साक्षी की हालत में सुधार



'नीट विवाद पर सरकार चर्चा के लिए तैयार, छात्र हमारी प्राथमिकता' पेपर लीक पर बोले रिजिजू



CJP के प्रदर्शन में लाठीचार्ज के मामले में तुरंत सुनवाई से SC का इनकार 'वीडियो देखने में दिलचस्पी नहीं'





आलिया भट्ट का
स्टूडेंट प्रोटेस्ट को
खुला समर्थन

“मैं स्टूडेंट्स के साथ हूँ”

3 दिन में
4800
करोड़ की कमाई

फिल्मी दुनिया में हर साल कई रिकॉर्ड बनते हैं, लेकिन इस बार साल 2026 में एक हॉलीवुड एक्ट्रेस ने ऐसा कारनामा कर दिखाया है, जिसकी चर्चा पूरी दुनिया में हो रही है। उनकी दो फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर हर किसी के होश उड़ा दिए हैं। इतना ही नहीं, अभी उनकी दो फिल्में रिलीज होना बाकी हैं। 2 फिल्में रिलीज हुईं और ये हसीना बन गई दुनिया की सबसे बड़ी कमाऊ एक्ट्रेस, 3 दिन में 4800 करोड़ रुपये की कमाई।

2 फिल्में
रिलीज हुईं
और ये हसीना
बन गई दुनिया
की सबसे
बड़ी कमाऊ
एक्ट्रेस

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों एक एक्ट्रेस का खास दबदबा देखने को मिल रहा है। उनकी दो बड़ी फिल्मों दुनियाभर में रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही हैं और इसी के साथ वह दुनिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली एक्ट्रेस बन गई हैं। यह हसीना कोई और नहीं, बल्कि हॉलीवुड एक्ट्रेस ऐनी हैथवे हैं। उनकी दो बड़ी फिल्में क्रिस्टोफर नोलन की श्द ओडिसी और द डेविल वियर्स प्राडा 2 रिलीज हुई हैं, जिन्होंने करीब 3 दिन में ही लगभग 3,200 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है।



एंटरटेनमेंट डेस्क। अनदेखी फेम आंचल सिंह ने मोहित चावला के साथ शादी कर ली है। उन्होंने तस्वीरें शेयर करते हुए अपने रिश्ते और ससुराल के बारे में एक बेहतरीन नोट लिखा है। वेब सीरीज अनदेखी और ये काली-काली आंखें फेम अभिनेत्री आंचल सिंह ने शादी कर ली है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर अपनी शादी की शानदार तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में उनके पति मोहित चावला के अलावा उनके परिवार के लोग भी नजर आ रहे हैं।

आंचल की पोस्ट में क्या है?

अभिनेत्री ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उनके पति उनकी मांग में सिंदूर भर रहे हैं। एक तस्वीर में वह लाल जोड़े में मंडप की तरफ आ रही हैं। एक और तस्वीर में वह अपने परिवार से मिल रही हैं। एक



और तस्वीर में वह हाथ जोड़कर सबका अभिवादन कर रही हैं।

तुम और मैं से हम तक

आंचल ने कैप्शन में लिखा तुम और मैं से हम तक। हमेशा के लिए। कुछ पल ऐसे होते हैं, जिन्हें शब्दों की जरूरत नहीं होती। रस्मों के बीच एक-दूसरे की ओर देखा गया एक प्यार भरा नजरिया। एक मुस्कान, जो कहती है सच में अब हम साथ हैं। जुड़े हुए हाथों से की गई एक शांत प्रार्थना और मांग में सजे सिंदूर के साथ

निभाने का एक जीवन भर का वादा।

ससुराल के बारे में क्या बोलीं आंचल?

उन्होंने आगे लिखा जब मैं इन खूबसूरत पलों को याद करती हूँ, तो एक बात बार-बार मन में आती है। मैं हमेशा से मानती हूँ कि शादी के बाद बेटी अपने मायके से जुड़ी नहीं रहती, ऐसा नहीं होता। वह अपने पहले घर को दिल में बसाए हुए एक नए घर और नए परिवार का हिस्सा बनती है। आपको बता दें कि आंचल सिंह नेटफिलिक्स की वेब सीरीज ये काली काली आंखें और सोनी लिव की सीरीज अनदेखी के लिए काफी मशहूर हैं। उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने से पहले लगभग 300 विज्ञापनों में काम किया है। उन्होंने तमिल, तेलुगु, हिंदी और सिंहली फिल्मों में काम किया है।

अनदेखी फेम

आंचल सिंह
ने की शादी



छाई जन नायकन

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन



एंटरटेनमेंट डेस्क। इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर नई फिल्म जन नायकन का जलवा है। हॉलीवुड फिल्म श्द ओडिसी ने भी शुक्रवार को अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। जानिए धमाल 4 ने कितना कमाया है। सीएम विजय की आखिरी फिल्म जन नायकन की रिलीज को दो दिन हो चुके हैं। फिल्म ने दोनों ही दिन अच्छी कमाई की है। क्रिस्टोफर नोलन की फिल्म श्द ओडिसी भी अच्छी कमाई कर रही है। इसके अलावा अजय देवगन की धमाल 4 के कलेक्शन में भी इजाफा हुआ है। जानिए बीते दिन किस फिल्म ने कितना कलेक्शन किया है?

जन नायकन

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर विजय की फिल्म जन नायकन ने 21.15 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले दिन इसने 42 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। फिल्म का कुल कलेक्शन 63.85 करोड़ रुपये हो चुका है। यह फिल्म करीब सात महीने की देरी के बाद रिलीज हुई है। इसे विजय की आखिरी फिल्म कहा जा रहा है, क्योंकि अब वे राजनीति में आ गए हैं।

द ओडिसी

हॉलीवुड फिल्म द ओडिसी को भी भारतीय दर्शकों से काफी प्यार मिल रहा है। क्रिस्टोफर नोलन की यह फिल्म 17 जुलाई को रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 6.85 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। गुरुवार को इसने 6.15 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका कुल कलेक्शन 97.15 करोड़ रुपये हो चुका है। जल्द ही यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शतक जड़ देगी।

धमाल 4

अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी और संजीदा शेख जैसे सितारों से सजी फिल्म धमाल 4 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। 15वें दिन इसने 2.50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। गुरुवार को इसने 2.15 करोड़ रुपये कमाए थे। श्धमाल 4 का टोटल कलेक्शन 139.15 करोड़ रुपये हो चुका है।

छात्रों के समर्थन में आए सचिन और शुभमन



छात्र आंदोलन पर क्रिकेट जगत से आई आवाज

सचिन-शुभमन

ने समाज और
सरकार से अपील की
युवाओं को भी दिया संदेश

स्पोर्ट्स डेस्क। देशभर में नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर जारी छात्र आंदोलन के बीच क्रिकेट के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने युवाओं, अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के नाम एक भावुक संदेश साझा किया है। सचिन ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि मेहनत का सम्मान होना चाहिए, ईमानदारी को प्रोत्साहन मिलना चाहिए और योग्यता की जीत सुनिश्चित होनी चाहिए। उन्होंने छात्रों की निराशा को स्वाभाविक बताते हुए सभी पक्षों से मिलकर ऐसा माहौल बनाने की अपील की, जिससे युवाओं का विश्वास और उनका भविष्य सुरक्षित रह सके।

पिता की सीख का किया जिक्र

सचिन ने अपने संदेश में अपने पिता को याद करते हुए लिखा कि उनके पिता एक प्रोफेसर थे और उन्होंने हमेशा उन्हें एक बात सिखाई थी कि श्रमसफल होना स्वीकार्य है, लेकिन धोखा देना नहीं। कभी शॉर्टकट मत अपनाओ। सचिन ने कहा कि यही सीख उनके जीवन का आधार रही है और आज भी उतनी ही प्रासंगिक है।

मेहनत से ज्यादा नतीजों पर जोर खतरनाक

पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने कहा कि समाज की जिम्मेदारी सिर्फ अच्छे नतीजे देखने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। अगर कोई समाज मेहनत से ज्यादा सिर्फ परिणामों को महत्व देगा, तो वहां योग्यता की बजाय शॉर्टकट अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि ऐसी सोच को बदलना समय की जरूरत है।

छात्रों की निराशा को बताया स्वाभाविक

सचिन ने कहा कि जब छात्रों को यह महसूस होता है कि उनकी कड़ी मेहनत का उचित सम्मान नहीं हुआ, तो उनका निराशा होना पूरी तरह समझा जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज के हर वर्ग माता-पिता, शिक्षक, दोस्त, रिश्तेदार, स्कूल और प्रशासन की यह साझा जिम्मेदारी है कि युवाओं का आत्मविश्वास और उत्साह बना रहे।

सरकार और समाज से की अपील

सचिन ने अपने संदेश में कहा कि सभी को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां मेहनत करने वालों को उनका हक मिले, ईमानदारी को बढ़ावा मिले और योग्यता की जीत सुनिश्चित हो। उन्होंने विश्वास जताया कि देश मिलकर ऐसा समाधान निकालेगा, जिससे बच्चों का भविष्य सुरक्षित रहेगा और उनके सपनों की रक्षा हो सके।

शुभमन गिल बोले— हर युवा को मिले आगे बढ़ने का अवसर

भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने भी इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए छात्र आंदोलन पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि एक युवा भारतीय होने के नाते उनका मानना है कि उनकी पीढ़ी का हर युवा सीखने, सपने देखने और अपने भविष्य को आकार देने का अवसर पाने का हकदार है। गिल ने शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज उठाने वाले युवाओं के प्रति सम्मान जताते हुए कहा कि शिक्षा ही देश का भविष्य तय करती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि देश करुणा, आपसी सम्मान और हर छात्र के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखकर आगे बढ़ेगा।

नीट परीक्षा को
लेकर देशभर में
जारी छात्र
आंदोलन के बीच
सचिन तेंदुलकर
और शुभमन गिल
ने सोशल मीडिया
पर भावुक संदेश
साझा किया।

क्या कोहली ने छात्र आंदोलन पर तोड़ी चुप्पी

स्पोर्ट्स डेस्क। पेपर लीक और छात्र आंदोलन को लेकर विराट कोहली के नाम से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा ट्वीट फर्जी निकला है। कोहली ने इस मुद्दे पर किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। हालांकि, सचिन तेंदुलकर, शुभमन गिल, मनु भाकर, युवराज सिंह और शिखर धवन जैसे कई खिलाड़ियों ने आधिकारिक तौर पर छात्रों के समर्थन में अपनी राय रखी है। देशभर में परीक्षा पारदर्शिता और पेपर लीक के मुद्दे पर चल रहे छात्र आंदोलन के बीच भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के नाम से एक ट्वीट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। इस पोस्ट में दावा किया गया कि कोहली ने छात्रों के समर्थन में निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था और पारदर्शिता की मांग की है। हालांकि, फैंक्ट चेक में यह दावा पूरी तरह गलत साबित हुआ।

पोस्ट में क्या लिखा गया था? लोगों ने खूब शेयर किया

विराट कोहली के नाम से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्पेक्स पर लिखा गया, श्छात्र एक निष्पक्ष व्यवस्था, पारदर्शी परीक्षाओं और योग्यता पर आधारित भविष्य के हकदार हैं। छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि अधिकारी उनकी शिकायतों के समाधान के लिए तत्काल और सार्थक कदम उठाएं। हमारे देश का भविष्य न्याय, पारदर्शिता और जवाबदेही का हकदार है।

विराट कोहली के नाम से वायरल ट्वीट निकला फर्जी

सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट का स्क्रीनशॉट देखने में आधिकारिक अकाउंट जैसा लग रहा था, इसलिए हजारों लोगों ने इसे सही मानकर शेयर

क्या पेपर लीक से छात्रों का भविष्य दांव पर है?

मामले पर विराट कोहली का बयान सच है या फेक?

खेल जगत से और किनकी आई प्रतिक्रियाएं

भी किया।

हालांकि, जांच में पता चला कि यह ट्वीट विराट कोहली के आधिकारिक श्पेक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से नहीं किया गया था।

यह एक फैन या पैरोडी अकाउंट से बनाया गया फर्जी पोस्ट था।

विराट कोहली ने अब तक पेपर लीक या छात्र आंदोलन को लेकर किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कोई बयान जारी नहीं किया है।

बिना पुष्टि के वायरल पोस्ट शेयर करने से बचें

विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी चर्चित हस्ती के नाम से वायरल हो रहे पोस्ट पर भरोसा करने से पहले उसके यूजरनेम और आधिकारिक वेरिफिकेशन बैज की जांच जरूर करनी चाहिए। कई फैन पेज और पैरोडी अकाउंट मशहूर हस्तियों की तस्वीर और नाम का इस्तेमाल कर भ्रामक जानकारी फैलाते हैं। ऊपर वाले मामले में विराट कोहली के नाम से वायरल ट्वीट पूरी तरह फर्जी निकला, जबकि कई अन्य खिलाड़ियों ने आधिकारिक रूप से अपनी बात रखी है।

इन खिलाड़ियों ने आधिकारिक तौर पर रखी अपनी बात

हालांकि विराट कोहली ने इस मुद्दे पर चुप्पी साध रखी है, लेकिन कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से छात्रों के समर्थन में बयान दिए हैं।

सचिन तेंदुलकर ने मेहनत और ईमानदारी की अहमियत पर जोर देते हुए कहा कि श्चीटिंग कभी स्वीकार नहीं की जानी चाहिए और मेहनत का सम्मान होना चाहिए।

भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने भी छात्रों की मेहनत और निष्पक्ष परीक्षा व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर ने शिक्षा और सुरक्षा को छात्रों का मौलिक अधिकार बताते हुए संस्थागत जवाबदेही की मांग की।

वहीं, पूर्व भारतीय क्रिकेटर युवराज सिंह ने संबंधित अधिकारियों से छात्रों के साथ सकारात्मक संवाद कर निष्पक्ष समाधान निकालने की अपील की।

शिखर धवन ने भी युवाओं के भविष्य को सुरक्षित रखने और धैर्य बनाए रखने का संदेश दिया।

दी नैक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक
बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन
ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा
हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर
गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी
गंगा टोला, निकट जानकी
बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर
पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित।
पिन:- 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148, 9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद
गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होंगे।

ICC ODI बल्लेबाजी रैंकिंग

(22 जुलाई, 2026 तक)

खिलाड़ी	अंक
1 डेविल मिचेल	802
2 शुभमन गिल	801
3 विराट कोहली	767
4 रोहित शर्मा	758
5 इब्राहिम जादरान	712
6 बाबर आजम	689
7 हैरी टेक्टर	679
8 जो रूट	674
9 शाई होप	672
10 चरित असलंका	659



श्रेयस अय्यर

इस मामले में बने

दुनिया के
पहले कप्तान



जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले टी20 में भारत को सात विकेट से जीत दिलाने के साथ ही श्रेयस अय्यर ने कप्तानी में एक अनोखा विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। अय्यर पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कप्तानी के पहले आठों मैचों में लगातार टॉस जीतने वाले दुनिया के पहले कप्तान बन गए। उन्होंने इस मामले में एमएस धोनी का भारतीय रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया।

मुझे नहीं लगता कि
खिलाड़ियों को असफलता
से डरना चाहिए, क्योंकि
जब आपके दिमाग में इस
तरह के विचार चल रहे होते
हैं, तब आप खुद को बचाने
के लिए खेलने लगते हैं। जब
आपके अंदर यह डर नहीं
होगा, तभी आप अपना
सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन बाहर ला
सकते हैं



श्रेयस अय्यर



रहमत शाह बने
अफगानिस्तान के नए
वनडे और टेस्ट कप्तान



क्रिकेटर शिखर धवन ने
स्टूडेंट प्रोटेस्ट को
सपोर्ट दिया

“स्टूडेंट्स
भारत का भविष्य हैं”